सत्यमेव जयते

असंशोधित

22 JUL 2002

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग २–कार्यवाही–प्रश्नोत्तर रहित)

बि० स० मु० (एल० ए०) 86--मोनो--1000--16-3-2002--,

शून्य - काल
=========

श्री राम प्रवेश राय : सभापति महोदय, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, केरल सहित देश के अनेक राज्यों में वहाँ की सरकारों और उच्च न्यायालयों द्वारा गुटखा और पान मसाला के उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है। बिहार में भी लाखों-लाख लोग खासकर नौजवान प्रतिदिन इसका सेवन करते हुये अनेक भयानक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। गाँव से शहर तक प्रत्येक चौक-चौराहों पर खुलेआम इस जहर की बिक्री हो रही है।

अत: बिहार सरकार इसी सत्र में राज्य में भी गुटका और पान मसाला के उत्पादन तथा बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने की घोषणा करे।

महोदय, इसी विषय पर माननीय सदस्य, श्री प्रेम कुमार जी ने कार्यस्थगन की सूचना भी दी है।

श्री सुशील कुमार मोदी (नेता, विरोधी-दल) : महोदय, सरकार सदन में यह घोषणा करके गुटखा एवं पान मसाला के बिक्री एवं उत्पादन पर रोक लगाये। पूरे देश के अन्दर इसपर रोक लग रहा है, बिहार के अन्दर भी इसपर रोक लगना चाहिए।

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह) : माननीय नेता, विरोधी-दल, आपके कहने के बाद.....

(इस अवसर पर माननीय सदस्य, श्री राम प्रवेश राय एवं श्री प्रेम कुमार सदन के "वेल" में चले आये।)

(व्यवधान)

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह) : यह तरीका ठीक नहीं है। आप अपनी सीट पर जाकर बैठिए।

माननीय नेता, विरोधी-दल, आपने इस सवाल को इस सदन में शून्यकाल में जो उठाया गया, आपने उसपर जोर दिया और आपने इसको सदन में रखा, सरकार ने सुना, नोटिस लिया। गुटखा का प्रश्न कोई सामान्य

प्रश्न नहीं है । इससे राजनीतिक जीवन में क्या उथल-पुथल उठते हैं, दुनियाँ को मालूम है । क्या आप गुटखा के माध्यम से कुछ करना चाहते हैं ?

श्री सुशील कुमार मोदी (नेता, विरोधी-दल) : महोदय, सरकार को इस संबंध में कुछ घोषणा करनी चाहिये । अन्य राज्यों में इसपर रोक की घोषणा हुई है, बिहार के अन्दर भी इसपर रोक लगनी चाहिये ।

श्री रमई राम (मंत्री) : सभापति महोदय,.....

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह) : माननीय मंत्री, जबतक आसन नहीं कहे, आप खड़ा होकर नहीं बोला करें ।

श्री रंजीत कुमार सिंह : सभापति महोदय, बिहार में प्राईवेट स्कूल मनमानी ढंग से छात्रों से फीस वसूल रही है । विशेष ... समिति के प्रतिवेदन में की गई अनुशंसाओं पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे संचालक अरबपति हो गये, एन0ओ0सी0 पैसे के बल पर प्राप्त कर रहे हैं । सरकार निजी विद्यालयों पर नियंत्रण करे ।

महोदय, विशेष समिति के प्रतिवेदन की अनुशंसाओं पर सरकार ने अभी तक कौन-सी कार्रवाई की है ? सरकार की ओर से वक्तव्य दिलाया जाय.

श्री प्रेम कुमार : महोदय, इसपर विशेष बहस कराया जाय ।

श्री नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा : महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है । लोक लेखा समिति के प्रतिवेदन पर जब विचार हो रहा है तो विशेष समिति के प्रतिवेदन पर भी विचार होना चाहिये ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह) : (खड़े होकर): शांति-शांति । आपलोग बैठिये । यह प्रश्न जिसपर कमिटी का गठन हुआ, प्रतिवेदन सदन को प्राप्त हुआ । जब कार्यमंत्रणा समिति बैठेगी और इस पहलू पर विचार करते हुये उसपर यदि आवश्यकता कार्य-मंत्रणा समिति महसूस करे कि विशेष वादविवाद हो तो उसपर विशेष वाद-विवाद किया जायेगा ।

टर्न:14:अंजनी:दि0 22.7.02

श्री सुबोधकान्त कुमार (नेता विरोधी दल): महोदय, सत्र का चार दिन बढ़ा है, आप यह भी घोषणा कीजिए कि कब कार्य-मंत्रणा समिति की बैठक होगी। इतने महत्वपूर्ण विषय पर कोई जवाब नहीं दिया गया है, लेकिन समिति के प्रतिवेदन पर बहस हो रही है और इसमें विद्यालय के एन0ओ0सी0 का मामला है चूंकि इसमें सरकार के लोग फंस रहे हैं इसलिए जानबूझकर प्रतिवेदन पर डिबेट नहीं कराया जा रहा है। मैं आपसे आग्रह करूँगा कि आप यह घोषणा करें कि आज-ही कार्य-मंत्रणा समिति की बैठक होगी और उसमें इस प्रतिवेदन पर विचार-विमर्श किया जायेगा।

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह): शांति-शांति। माननीय नेता विरोधी दल ....

श्री उमा शंकर सिंह: सभापति महोदय, इस सत्र में तो नहीं पिछले सत्र में इस विशेष समिति का गठन हुआ था और रामधारी जी इसके संयोजक थे। जब झारखंड राज्य हो गया तो रामधारी जी के चले जाने के बाद नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा जी, इस समिति के संयोजक हुए। समिति का प्रतिवेदन आया और इस संबंध में सामान्य प्रयोजन समिति की बैठक में बात उठी थी इसके बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। जो स्कूल अच्छे ढंग से चल रहे हैं उसको भी एन0ओ0सी0 नहीं दिया जा रहा है और जो गलत ढंग से स्कूल चल रहे हैं उसको पैसे के बल पर एन0ओ0सी0 दिया जा रहा है। इसपर वाद-विवाद होना चाहिए, जैसाकि नेता विरोधी दल ने कहा कि सत्र का चार दिन का और समय रह गया है कब कार्य-मंत्रणा समिति की बैठक होगा और इसपर कब विचार होगा। इसलिए सदन में ही घोषणा हो जाय कि कब इसपर वाद-विवाद होगा।

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह): माननीय सदस्य श्री उमा शंकर बाबू और विरोधी दल के नेता ने सारे परिस्थितियों से अवगत कराया। इस परिस्थिति में निश्चित आपलोगों से विचार-विमर्श किए, संसदीय कार्य मंत्री से विचार करने के बाद इस संबंध में जो आवश्यक तथ्य उपस्थापित होंगे उसको आसन सूचित करेगा ... आपकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए।

टर्न:14:अमनो: दि0 22·7·02

डा0 विनोद कुमार यादवेन्दु : सभापति महोदय, माननीय सदस्य श्री आनन्दी प्रसाद यादव के प्रश्न पर प्रदूषण बोर्ड के संबंध में विशेष समिति का गठन हुआ था और उस समिति ने अपना रिपोर्ट भी दिया लेकिन आजतक उसपर कोई कार्रवाई नहीं हुई ।

श्री गणेश पासवान : महोदय, भागलपुर के लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में मुन्दीचक थाना, कंट्रोल रूम अवैध रूप से चलाया जा रहा है जबकि अस्पताल चालू है जिससे रोगी को कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।

अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि उक्त अस्पताल को जनहित में पुलिस कंट्रोल रूम, मुन्दीचक थाना का वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए उसे अस्पताल से खाली कराया जाय ।

श्री अश्विनी कुमार चौबे : सभापति महोदय, बहुत महत्वपूर्ण सवाल है...

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह) (खड़े होकर) : ऐसा मत करें, मैं आपसे सहयोग की अपेक्षा करता हूँ। माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार सिंह ।

श्री गणेश पासवान : महोदय, मेरा क्या हुआ ?

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह) : आपने इस सदन में इस तथ्य को रखा, यह सदन की परिसम्पदा बनी, सरकार बैठी है, सुन रही है, कार्रवाई करेगी । मा0 सदस्य श्री विनोद कुमार सिंह ।

श्री विनोद कुमार सिंह : सभापति महोदय, कोढ़ा जिला मनसाही प्रखंड के बड़ी बथना गाँव में बिजली भाया-मनिहारी होते हुए 40 कि0 मी0 दूरी तय करके पहुँचती है। परन्तु बड़ी बथना से कटिहार शहर की दूरी मात्र डेढ़ किलोमीटर है।

अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि बड़ी बथना को कटिहार शहर से बिजली सेक्शन से जोड़ा जाय ।

श्री रामदेव महतो : सभापति महोदय, बिहार राज्य चीनी निगम के अधीन चलने वाली पन्द्रह चीनी मिलें बन्द हैं। इन मिलों पर बिहार के किसान मजदूरों का करोड़ों रुपया बाकी है। सरकार बिहार के किसानों के हित में चीनी मिल को चालू कराये और किसान मजदूरों के बकाये राशि का भुगतान कराये।

श्री चन्द्रमोहन राय : सभापति महोदय, यह उत्तर बिहार की बहुत बड़ी समस्या है, मिल बन्द हो गये हैं और किसानों का बकाया सरकारी मिलों पर है.....

सभापति(श्री भोला प्र0सिंह) : जरा बैठा जाय। शून्यकाल में जो भी सवाल उठाये जाते हैं, वे सभी महत्वपूर्ण होते हैं। जो सवाल उठाये जाते हैं,उस सवाल को सरकार ने भी सुना है, इसको और गहराई से विचार करने के लिए कोई दूसरे रास्ते पर आसन विचार करेगा।

श्री राजकिशोर केसरी : सभापति महोदय, पूर्णिया शहर में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति दयनीय है। प्रतिदिन घटनाएं होती रहती है। पूरे शहर में अपराधियों की समानान्तर सरकार चल रही है। डी0एस0पी0 का पद भी दो वर्षों से रिक्त है। ग्रामीण डी0एस0पी0 ही इनचार्ज हैं। जनता के बीच भय तथा आक्रोश व्याप्त है। डाक्टर पर भी हमला हुआ है।

अत: सरकार शीघ्र पूर्णिया में नया डी0एस0पी0 पदस्थापित करे।

श्री कृष्ण कुमार सिंह : सभापति महोदय, सिवान,छपरा जिलान्तर्गत आरक्षी नि0सं0-1/98 के आलोक में गजेन्द्र कुमार सिंह का गृहरक्षा वाहिनी के आरक्षित 50 प्रतिशत सीट के अन्तर्गत सारी प्रक्रिया उपरान्त चयन की गई। पुलिस अधीक्षक पदाधिकारी के घोर अनियमितता के कारण इन्हें छांट दी गई। आरक्षी महानिरीक्षक एवं माननीय

उच्च न्यायालय के आदेश सं0-10131/2001 की अवहेलना करते हुए बहाली नहीं की गई ।

अत: जनहित में श्री सिंह का छपरा जिला बल के आरक्षी पद पर बहाली शीघ्र किया जाय ।

श्रीमती भागिरथी देवी : सभापति महोदय, प0चम्पारण जिलान्तर्गत गौनाहा प्रखंडान्तर्गत ग्राम भिखनाठोरी में आजादी के 50वें वर्ष के बाद भी आम नागरिक एक भी कुँआ, चापाकल नहीं रहने के कारण नदी का प्रदूषित पानी पीने को बाध्य है । बहुत ही गंभीर समस्या है । जनहित में आदिवासी क्षेत्र ठोरी में चापाकल लगवाया जाय ।

श्री शिवनाथ सिंह : सभापति महोदय, निबंधन विभाग के पत्रांक-454 दिनांक 20.5.95 द्वारा स्पष्ट किया गया है कि कार्मिक विभाग के परामर्श के अनुसार निबंधन विभाग के कर्मियों का पद जिला स्तर का है । उक्त आदेश के विरूद्ध निबंधन विभाग में 56 कर्मियों को एक जिला से दूसरे जिला में स्थानान्तरण किया जा रहा है ।

अत: उक्त निदेश के अनुपालन में निबंधन विभाग द्वारा कर्मियों के स्थानान्तरण पर रोक लगाने हेतु ध्यान आकृष्ट करता हूँ ।

[illegible] 18/22-1-2002/मुद्रित

श्री [illegible] औरंगाबाद जिला [illegible] की निवासी श्रीमती रामरतिया देवी की मृत्यु औरंगाबाद [illegible] थाना [illegible] के जी0 टी0 रोड स्थित डा0 अनिल कुमार सिन्हा के नर्सिंग होम में साधारण घाव की चिकित्सा कराने में चिकित्सक की लापरवाही के कारण हो गयी । जिसके चलते आक्रोशित लोगों ने जुलूस निकाल कर काफी हंगामा किया । अत: मृतक के परिवारों को अनुदान एवं चिकित्सक के विरुद्ध कार्रवाई की जाय ।

श्री [illegible] नारायण सिंह :- मधुबनी जिला के लदनियां प्रखंड मुख्यालय में 33 हजार पावर सब स्टेशन कई वर्षों से निर्माणाधीन है ।

अत: व्यापक लोक हित में इसे [illegible] चालू कराने हेतु मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ ।

श्री [illegible] कुमार :- लाल-कार्ड अन्नपूर्णा योजना के तहत गरीबों को दी जाने वाली चावल गेहूं के वितरण में धांधली हो रही है । किरासन तेल, चीनी के वितरण में अनियमितता हो रही है। [illegible], बेतिया में राजनैतिक कार्यकर्ताओं द्वारा लाल कार्ड में व्याप्त घोटाले की जांच की मांग करने पर प्रताड़ित किया जा रहा है ।

श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल:- जहानाबाद जिलान्तर्गत कुर्था प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, पंचायत सेवक, [illegible] कान्त [illegible] एवं गुण्डों द्वारा [illegible] रंजन को जान से मारने का प्रयास किया गया । [illegible] का कारण बी0 डी0 ओ0 द्वारा इन्दिरा आवास में किए जा रहे गोलमाल को रोकना है । सरकार [illegible] कार्रवाई करे ।

टर्न-16/22-7-2002/पुस्तक

श्री नित्यानन्द राय:- आई0 हसन ,आरक्षी उपाधीक्षक ,सह केयर टेकर,सचिवालय परिसर पटना का स्थानान्तरण माननीयमुख्य मंत्री के सुरक्षा हेतु किया गया है । उपरोक्त पद पर शंकर पाल परिचारी का पदस्थापन हुआ है। परन्तु आई0 हसन द्वारा श्री पाल को प्रभार नहीं सौंपा गया है । जिससे कार्य बाधित है । सरकार श्री पाल को प्रभार दिलाने हेतु कार्रवाई करे ।

श्री गणेश प्रसाद यादव :- बदले की भावना से प्रेरित होकर सरकार ने देश के जाने-माने नेता श्री शरद यादव पर मधेपुरा नगर थाना में वर्ष 1999 में अलग अलग चार मुकदमा दर्ज कराकर उन पर दाढ़ी एवं 500 रू0 छिनने से लेकर अनेक प्रकार के आरोप लगाते हुए उन्हें चार्जसीटेड किया गया है । परन्तु न्यायालय ने संज्ञान नहीं लिया है । ऐसे घृणित कार्य करने के लिए कई वर्षों से डी0पी0 राय नामक आरक्षी उपाधीक्षक को सरकार पाल रखी है ।

अत: मैं सरकार से इस विषय पर वक्तव्य देने की मांग करता हूं कि सरकार स्पष्ट करे कि किस परिस्थिति में उन्हें चार्जसीटेड किया है तथा उक्त विवादित आरक्षी उपाधीक्षक को निलम्बित करने में क्या कठिनाई है ।

टर्न-17/ज्योति/22-7-2002

(इस अवसर पर विपक्ष के सभी माननीय सदस्यगण अपनी अपनी सीट पर खड़े हो गए और एक साथ बोलने लगे ।)

(व्यवधान)

सभापति (भोला प्र0सिंह) : शांति, माननीय सदस्यगण, हमारी बात सुनिये । माननीय सदस्यगण, माननीय सदस्य श्री गणेश प्रसाद यादव और प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यों ने श्री शरद यादव जो सेक्युलर जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं उनके संबंध में मधेपुरा में केस हुआ है जो सदन की भावना है और इसमें राष्ट्रीय नेता, केन्द्रीय मंत्री से संबंधित मामला है -आसन इस बात को महसूस करता है कि सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं हो सकती है कि श्री शरद यादव के साथ उनके सम्मान, उनकी प्रतिष्ठा पर किसी तरह का आघात हो और यह सरकार की भी मंशा नहीं है आसन चाहता है कि जिसपर सदन बिल्कुल आंदोलित है सरकार इसपर कल सदन में वक्तव्य दे ।

श्री शकुनी चौधरी, मंत्री: सभापति महोदय, वक्तव्य का सवाल तो उस समय उठता जब यह मामला सबजुडिश नहीं होता । जब चार्जशीट हो गया है तो मामला कोर्ट में चला गया और मामला हो गया सबजुडिश इसपर कोई वक्तव्य तो दिया ही नहीं जा सकता है ।

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह) : माननीय मंत्री, आपने जो सवाल उठाया है सबजुडिश का इसे सरकार देख ले, समझ ले जो आसन के पास जानकारी है और जो माननीय सदस्य ने जानकारी दी है कि अभीतक कोर्ट में यह मामला संज्ञान के स्तर तक नहीं पहुंचा है ।

श्री नंद किशोर यादव : सभापति महोदय, मैं एक बात आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि एक राष्ट्रीय नेता पर घड़ी छीनने और 5 सौ रुपया लेने का पर चार्ज शीट होता है तो सरकार अविलम्ब इस बात की कोशिश करे कि जिन अधिकारियों ने गलत चार्जशीट किया है, गलत कार्रवाई की है सरकार प्रक्रिया बदले, फिर से इंक्वायरी हो और शरद यादव को बरी करने का काम करे ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री भोला प्रसाद सिंह): जरा आप लोग बैठ जांय ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव: सभापति महोदय, मैं व्यवस्था पर हूं। आसन के निकलन के बाद किसी भी मामले पर क्या कोई वाद विवाद होगा क्या ?

सभापति (श्री भोला प्र० सिंह): कोई डिबेट नहीं है। आसन ने सरकार से आग्रह किया है कि वह कल इन तमाम पहलुओं पर, इन तमाम तथ्यों पर जो वस्तुस्थिति है वह सदन के सामने सरकार रखेगी और अब इसको समाप्त किया जाए।

श्री शकील अहमद खां (मं०): सभापति महोदय, आसन का जो निकलन है, सरकार ने बराबर माना है। सरकार ऐसी नहीं है कि आसन के निकलन के विरोध में भी बात आउट करती है।

श्री सुशील कुमार मोदी, नेता विरोधी दल: सभापति महोदय, मैं भी व्यवस्था पर हूं। तीन दिन पहले आरक्षण नीति पर मैंने सवाल उठाया था जिस पर सरकार ने कहा था कि जवाब देंगे।

आरक्षण

सभापति (श्री भोला प्र० सिंह): सरकार ने कहा था कि जवाब देगी तो सरकार जवाब देगी।

श्री सुशील कुमार मोदी, नेता विरोधी दल: महोदय, तीन दिन हो गए तो क्यों नहीं अभी तक सरकार का जवाब हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है। सरकार ने जब कहा कि सदन में जवाब देंगे तो उसे जवाब देना चाहिए।

सभापति (श्री भोला प्र० सिंह): सदन में नेता, विरोधी दल ने जो सवाल उठाया है, आसन उसको देख लेता है। अगर सरकार ने कहा है कि जवाब होगा तो आसन ...

(व्यवधान)

माननीय सदस्य, श्री प्रेम कुमार जी बैठे बैठे बीच में नहीं बोला करें। मैं यहां पर आसन पर भोला सिंह नहीं बैठा हुआ हूं। मैं यहां आसन पर बैठा हूं और भोला सिंह का सम्मान आप करें या न करें इसकी चिंता नहीं है लेकिन आसन का सम्मान करें। जिस दिन आसन का सम्मान समाप्त हो जाएगा, पूरे राज्य में अंधकार छा जाएगा।

श्री नवीन किशोर प्र० सिंह: सभापति महोदय, व्यवस्था का प्रश्न है।

सभापति (श्री भोला प्र० सिंह): हमारी बात पर व्यवस्था का प्रश्न उठा रहे हैं। नहीं बैठिये। श्री दीनानाथ सिंह एवं श्री दशई चौधरी के ध्यानाकर्षण पर सरकार का वक्तव्य होगा।

(व्यवधान)

सभापति (श्री भोला प्र० सिंह): नेता विरोधी दल के नेता, अगर इस तरह से आसन के साथ माननीय सदस्य व्यवहार करेंगे मैं अंतिम आदमी हूं सदन की सदस्यता के साथ रहूं।